Downloaded from www.studiestoday.com

केन्द्रीय विद्यालय संगठन, चंडीगढ़ संभाग
आदर्श प्रश्नपत्र–संचयी परीक्षा
कक्षा – 11

समयः 3 घंटे | विषय : हिन्दी (केन्द्रिक) | अधिकतम अंक – 90
मौखिक परीक्षा : 10

खण्ड–क

प्रश्न–1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

विजयादशमी के दिन राम ने रावण पर विजय प्राप्त की। यह अन्याय के युग के अंत का पर्व है। यह पर्व आश्विन शुक्त पक्ष की दशमी को मनाया जाता हैं। अश्विन शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को शरद् पूर्णिमा मनाई जाती हैं इस रात को लोग खीर पकाकर छत पर रखते है और रातभर चांदनी खीर पर पड़ती रहती है। यह खीर अमृत सिक्त हो जाती हैं। कार्तिक कृष्ण पक्ष की अमावस्या को दीपावली पड़ती हैं कहा जाता है कि उस दिन राम का अयोध्या में राज्याभिषेक हुआ था और वहां घर–घर दीप जलाए गए थे। इसी खुशी में आज भी घर घर दीप जलाए जाते है।

प्राचीन दिग्विजयों से तीन बाते स्पष्ट होती हैं पहली इन दिग्विजयों का उद्देशय आधिपत्य स्थापित करना नहीं रहा। कालिदास ने एक शब्द का प्रयोग किया है। 'उत्रपात–प्रतिरोपण' अर्थात् उखाडकर फिर से रोपना। धान के बीज बोए जाते है और पौधे होने पर उखाड़कर पास के खेत में रोपे जाते है। इससे दुर्बल पौधे नष्ट हो जाते है और सबल पौधे अधिक सबल हो जाते है। इसी प्रकार यह उस क्षेत्र के हित में होता है जिसको जीतकर पुनः उसी क्षेत्र के सुयोग्य शासक को सौंपा जाता है। इसमें दूसरी बात यह निहित थी कि किसी सामान्य जन को सताया न जाए।

तीसरी बात यह थी कि दिग्विजय का उद्देश्य उपनिवेश बनाना

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

नहीं था। भारत के बाहर जिन देशों को भारत ने जीता, उन्हे भारत में नही मिलाया न ही उन देशों की संस्कृति समाप्त की गयी, बल्कि उस संस्कृति को पोषक सामग्री प्रदान की गई।

1. विजयदशमी और शरद पूर्णिमा पर्व कब और क्यों मनाए जाते है? 2
2. दिग्विजय का उद्देश्य क्या था? 2
3. उत्खात–प्रतिरोपण का अर्थ स्पष्ट कीजिए 2
4. दीपावली मनाने की परंपरा कब से और क्यों पड़ी। 2
5. दिग्विजय से जीते हुए देश का हित साधन कैसे होता था? 2

प्रश्न–2 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

फिर से नहीं आता समय, जो एक बार चला गया,
जग मे कहो बाधा–रहित कब कौन काम हुआ भला।
बहती नदी सूखे अगर उस पार मैं इसके चलूं
इस सोच मे बैठा पुलिन पर, पार जा सकता भला?
किस रीति से क्या काम, कब करना, बनाकर योजना
मन में लिए आशा प्रवल, दृढ़ वही जो बढ़ जाएगा।
उसको मिलेगा तेज, बल, अनुकूलता सब ओर से
वह कर्मयोगी, वीर अनुपम, साहसी सुख पाएगा।
वह वीर भोग्या – जो हदयतल में बनी वसुधा सदा
करती रही आवाहन है युगवीर का पुरूषत्व का
कठिनाइयों मैं खोजकर पथ, ज्योति पूरित जो करे
विजयी वही होता विजयसुत वरण कर अमरत्व का

1. जीवन मैं कैसे व्यक्ति प्रगति करते है? 2
2. वसुंधरा किसका आवाहन करती है और क्यों? 2
3. दृढ़ निश्चयी वीर को क्या – क्या लाभ प्राप्त होते है? 2
4. विजय–सुत किसे कहा गया है। 2
5. बहती नदी के उदाहरण से कवि ने क्या सिद्ध करना चाहा है। 2

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

खण्ड–ख

प्रश्न–3 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए 5

1. नर हो न निराश करो मन को
2. परोपकार
3. बढ़ती जनसंख्या : घटते संसाधन

प्रश्न–4 आधुनिक फैशन में दूर रहते हुए, अपनी पढ़ाई पर ध्याना देने की सलाह देते हुए, अपनी छोटी वहन का पत लिखिए 5

अथवा

नवभारत टाइम्स के संपादक को पत्र लिख कर अपने शहर में चोरी की बढ़ती घटनाओं पर चिंता प्रकट कीजिए।

प्रश्न–5 निम्नलिखित के संक्षिप्त उतर दीजिए। 1x5=5

1. फीचर क्या है?
2. विशेष रिपोर्ट के कितने प्रकार होते है?
3. खोजी पत्रकारिता से क्या आशय है?
4. पत्रकार कितने प्रकार के होते है?
5. सफल साक्षात्कार के लिए क्या जरूरी है।?

प्रश्न–6 देश की वर्तमान शिक्षा–प्रणाली पर एक संपादकीय लेख लिखिए। 5

अथवा

राजनीति का गिरता स्तर विषय पर एक फीचर लिखिए

खण्ड–ग

प्रश्न–7 किन्ही दो काव्यांशो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 5+5=10

1. निकल रहा है जलनिधि तल पर दिनकर बिंब अधूरा
   कमला के कंचन मंदिर का मानो कांत कंगूरा।
   लाने को निज पुण्य–भूमि पर लक्ष्मी की असवारी।
   रत्नाकर ने निर्मित कर दी स्वर्ण सड़क अति प्यारी।
2. विना दवा दर्पण के घरनी–स्वरग चली आंखे आती भर,

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

देख–रेख के बिना दुध मुंही, विटिया दो दिन बाद गई मर।
घर में विधवा रही पतोहू लक्ष्मी थी यद्यपि पति घातिन
पकड़ मंगाया कोतवाल ने डूब कुएँ में मरी एक दिन।

3. पांचवा मैं हूं अभागा जिसे सोने पर सुहाग
पिताजी कहते रहे है प्यार में बहते रहे है
आज उनके स्वर्ण बेटे, लगे होगे उन्हें हेठे
क्योंकि मैं उनपर सुहागा–बँधा बैठा हूं अभागा।

प्रश्न–8 किन्ही दो काव्यांशो में निहित काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए। 3+3=6

1. अंधकार की गुहा सरीखी, उन आंखों से डरता है मन
भर दूर तक उनमें दारूण, दैव्य दुख का नीरव रोदन।
2. अंसुवन जल सींचि–सींचि, प्रेम बेलि वोयी
अव तो बेलि फेलि गई आणंद फल होयी
3. कहां तो तय था चिरागां हरेक घर के लिए
कहां चिराग मयस्सर नहीं शहर के लिए

प्रश्न–9 किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए 2+2=4

1. कवि ने पिता के मन की तुलना किससे की है? 'घर की याद' कविता के आधार पर बताइए।
2. 'वे आंखे' कविता में किसान की पीड़ा के लिए कवि ने किसे जिम्मेदार बताया है।?
3. कबीर ने जग को पागल क्यों कहा है?

प्रश्न–10 निम्नलिखित गद्यांश को पड़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2+2+2=6

यह पावस यहां नहीं पहुंचता है। कालिदास की वर्षा की शोभा विंदयाचल में है। हिमालय की इन मध्य की घाटियों में नहीं है। मैं नहीं जानता कि इसका लालित्य लाहुल–स्पीर्ति के नर–नारी समझ भी पाएगे या नहीं। वर्षा उनके संवेदन का अंग नहीं है। वह यह जानते नहीं है कि 'वरसात में नदियां बहती है, बादल बरसते, मस्त हाथी चिधांड़ते है

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

जंगल हरे–भरे हो जाते है, अपने प्यारों से बिछुड़ी हुई स्त्रियां रोती–कलपती है। मोर नाचते है और बंदर चुपा मारकर गुफाओं में जा छिपते है।

अगर कालिदास यहां आकर कहें कि अपने बहुत से सुंदर गुणों से सुहानी लगने वाली, स्त्रियों का जी खिलाने वाली, पेड़ो की टहनियों और बेलों की सच्ची सखी तथा सभी जीवों का प्राण बनी हुई वर्षा ऋतु आपके मन की सब साधे पूरी करे तो शायद स्पीर्ति के नर नारी यही पूछेंगे कि यह देवता कौन है? कहां रहता है? यहां क्यों नहीं आया?

1. कालिदास लाहुल–स्पीति में आकर क्या कहेंगे?
2. यहां के लोग क्या नही जानते?
3. पावस कहां नही पहुंचता है? इसका वहां पर क्या प्रभाव पड़ता है?

अथवा

विछड़न समय बड़ा करूणोत्पादक होता है। आपको विछुड़ते देखकर आज हृदय में बड़ा दुख है। माई लार्ड। आपके दूसरी बार इस देश में आने से भारतवासी किसी प्रकार प्रसन्न न थे। वे यही चाहते थे कि आप फिर न आवे। पर आप आए और उससे यहां के लोग बहुत ही दुखित हुए। वे दिन–रात यही मनाते थे कि जल्द श्रीमान यहां से पधारे। पर अहो। आज आप के जाने पर हर्ष की जगह विषाद होता है। इसी से जाना कि विछड़न समय बड़ा करूणोत्पादक होता है, वड़ा पवित्र, बड़ा निर्मल और बड़ा कोमल होता हैं वैर–भाव छूटकर शाँत रस का आर्विभाव उस समय होता है।0

1. विछड़न का समय कैसा होता है?
2. भारतवासी क्या चाहते थे?
3. हर्ष की जगह विषाद क्यों होता है?

प्रश्न–11 किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3x3=9

1. 'नमक का दारोगा' कहानी में पंड़ित अलोपीदीन के व्यक्तित्व के कौन से

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

दो पहलू (पक्ष) उभर कर आते है?

2. पथेर पांचाली फिल्म की शूटिंग का काम ढाई साल तक क्यों चला?
3. मियाँ नसीरूद्दीन को नानवाइयों का मसीहा क्यों कहा गया है?
4. इतिहास में स्पीति का वर्णन क्यों नही मिलता है

प्रश्न–12 किन्ही तीन प्रश्नों के उतर दीजिए 9

1. लेखक ने लता की किन विशेषताओं को उजागर किया है? स्पष्ट कीजिए।
2. कुई का मुंह छोटा रखने के कौन–कौन से कारण है? राजस्थान की रजत बूंदे पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
3. राजस्थान में कुई किसे कहते है। इसमें तथा सामान्य कुओं में अंतर स्पष्ट कीजिए।
4. बेवी जब अपने लड़के से मिलने गई तो उसे वहां क्या देखकर दुख हुआ? 'आलो औधरि' पाठ के आधार पर बताइए।

प्रश्न–13 राजस्थान की रजत बूदें पाठ में रेत के कणों के बारे में क्या बताया गया है? 6

या

'बेबी की दिनचर्या कैसे चलने लगी? आलो–औधरि पाठ के आधार पर बताइए।

Downloaded from www.studiestoday.com